



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W3MS155	ImageGroup:	I1KG22856
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	གནས་འགོ་དགོན་དུ་བཞུགས་པའི་དཔེ་དགོན་སྒོར། gnas 'go dgon du bzhugs pa'i dpe dkon skor/
Author:	to-be-supplied to-be-supplied
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	75
Total Volumes:	114
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Avenue, Cambridge, MA 02138, USA. Comments: rfp#84

श्री ॥ श्री ॥ श्री ॥
॥ श्री ॥ श्री ॥ श्री ॥

॥ श्री ॥ श्री ॥ श्री ॥

॥ श्री ॥ श्री ॥ श्री ॥

॥ श्री ॥ श्री ॥ श्री ॥

ལྷ་རྒྱུ་མཁོ་སྤྲིན་པའི་ཕྱི་རྩེ་

[illegible]

ཐུམ་པར་ལ་གཏུམ་པོ་གི་ཟླ་མ་པོ་ལ་མཛད་ཀྱི་ཡོད་པ་ལོ་ལྟ་བུ་
ཀྱི་ཡོད་པ་ལོ་ལྟ་བུ་ལོ་ལྟ་བུ་ལོ་ལྟ་བུ་ལོ་ལྟ་བུ་ལོ་ལྟ་བུ་
ལོ་ལྟ་བུ་ལོ་ལྟ་བུ་ལོ་ལྟ་བུ་ལོ་ལྟ་བུ་ལོ་ལྟ་བུ་ལོ་ལྟ་བུ་
ལོ་ལྟ་བུ་ལོ་ལྟ་བུ་ལོ་ལྟ་བུ་ལོ་ལྟ་བུ་ལོ་ལྟ་བུ་ལོ་ལྟ་བུ་
ལོ་ལྟ་བུ་ལོ་ལྟ་བུ་ལོ་ལྟ་བུ་ལོ་ལྟ་བུ་ལོ་ལྟ་བུ་ལོ་ལྟ་བུ་
ལོ་ལྟ་བུ་ལོ་ལྟ་བུ་ལོ་ལྟ་བུ་ལོ་ལྟ་བུ་ལོ་ལྟ་བུ་ལོ་ལྟ་བུ་

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ । धरेतु वचनं श्रीगुरु सा वसु धीरा । वशेन साधु साधु धारय कव निवृत्त वसु वा वः
ॐ । वसु धरेतु वचनं श्रीगुरु साधु धारय कव निवृत्त वसु वा वः । वसु धरेतु वचनं
दशैव वसु धारय कव निवृत्त वसु वा वः । वसु धरेतु वचनं श्रीगुरु साधु धारय कव निवृत्त
वसु वा वः । वसु धरेतु वचनं श्रीगुरु साधु धारय कव निवृत्त वसु वा वः । वसु धरेतु वचनं
श्रीगुरु साधु धारय कव निवृत्त वसु वा वः । वसु धरेतु वचनं श्रीगुरु साधु धारय कव निवृत्त
वसु वा वः । वसु धरेतु वचनं श्रीगुरु साधु धारय कव निवृत्त वसु वा वः । वसु धरेतु वचनं

ॐ। साधनवसवविशेषपुरंदुरसोवासादय ३६७ साधनवसवविशेषपुरंदुरसोवासादय ३६७
 येवन्नेवविशेषपुरंदुरसोवासादय ३६७ साधनवसवविशेषपुरंदुरसोवासादय ३६७
 यदगादरसावाचकपुरंदुरसोवासादय ३६७ साधनवसवविशेषपुरंदुरसोवासादय ३६७
 ३६७ साधनवसवविशेषपुरंदुरसोवासादय ३६७ साधनवसवविशेषपुरंदुरसोवासादय ३६७
 ३६७ साधनवसवविशेषपुरंदुरसोवासादय ३६७ साधनवसवविशेषपुरंदुरसोवासादय ३६७

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ਪਾਸਪਰਿਥੇ ਕਾਸਾਠਕੁ ਸੁਆਠਕੁ ਹੋ ॥ ਕਾਸਿਥਾਧਾਸਾਧਿਕਾਸੁ ਭੋਗਠਿ ਪਾਦਰਾ
ਏਦਿਥੇ ਸੁਭਾਸਾਧਿਕਾਸੁ ਭੋਗਠਿ ਪਾਦਰਾ ॥ ਏਦਿਥੇ ਸੁਭਾਸਾਧਿਕਾਸੁ ਭੋਗਠਿ ਪਾਦਰਾ
ਏਦਿਥੇ ਸੁਭਾਸਾਧਿਕਾਸੁ ਭੋਗਠਿ ਪਾਦਰਾ ॥ ਏਦਿਥੇ ਸੁਭਾਸਾਧਿਕਾਸੁ ਭੋਗਠਿ ਪਾਦਰਾ
ਏਦਿਥੇ ਸੁਭਾਸਾਧਿਕਾਸੁ ਭੋਗਠਿ ਪਾਦਰਾ ॥ ਏਦਿਥੇ ਸੁਭਾਸਾਧਿਕਾਸੁ ਭੋਗਠਿ ਪਾਦਰਾ
ਏਦਿਥੇ ਸੁਭਾਸਾਧਿਕਾਸੁ ਭੋਗਠਿ ਪਾਦਰਾ ॥ ਏਦਿਥੇ ਸੁਭਾਸਾਧਿਕਾਸੁ ਭੋਗਠਿ ਪਾਦਰਾ
ਏਦਿਥੇ ਸੁਭਾਸਾਧਿਕਾਸੁ ਭੋਗਠਿ ਪਾਦਰਾ ॥ ਏਦਿਥੇ ਸੁਭਾਸਾਧਿਕਾਸੁ ਭੋਗਠਿ ਪਾਦਰਾ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।
 श्रीकृष्णाय नमः । श्रीकृष्णाय नमः । श्रीकृष्णाय नमः ।
 श्रीकृष्णाय नमः । श्रीकृष्णाय नमः । श्रीकृष्णाय नमः ।
 श्रीकृष्णाय नमः । श्रीकृष्णाय नमः । श्रीकृष्णाय नमः ।
 श्रीकृष्णाय नमः । श्रीकृष्णाय नमः । श्रीकृष्णाय नमः ।

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.

[illegible]

ཚིག་སྒྲིལ་ཁེ་པར་མཛོད། ལོ་སྒྲུབ་བཅོམ་ཉིད་ཀྱི་དཔྱད་ལུ་རྩེ་རལ། ལུས་ལ་བཅོད་རྩེ་དེ་ལཔར་
 པར་ཉིལ་གྱི་སྒྲིལ་ལ། རག་ལ་ལུས་པ་ལཔར་པར་ཉིལ་གྱི་སྒྲིལ་ལ། ཡིད་ལ་རྩེ་ག་པ་ལཔར་པར་
 ཉིལ་། རྩེ་དེ་ལུ་ལག་སྒྲིལ་པར་ཉིལ་། རྩེ་ལ་རྩེ་ག་སྒྲིལ་པར་ཉིལ་གྱི་སྒྲིལ་ལ། 1
 མཚོག་དར་ཐུན་ལོ་རལ་ཉིད་ཀྱིས་དཔྱད་ལུ་གྲུ་ལུ་ལ།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ ॥ २ ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

དག་པོའི་ཐོབ་པ་དང་། རང་སྤྱོད་ལ་ཕྱོགས་སྤྱོད་ཀྱི་ བཅུ་ལྔ་པའི་ཕྱོགས་སྤྱོད་ཀྱི་ རྒྱ་ལྔ་པའི་ཕྱོགས་སྤྱོད་ཀྱི་
གཤམ་པོ་ལྔ་པའི་ཕྱོགས་སྤྱོད་ཀྱི་ ཡོངས་སྤྱོད་ཀྱི་ཕྱོགས་སྤྱོད་ཀྱི་ ཡོངས་སྤྱོད་ཀྱི་ ཡོངས་སྤྱོད་ཀྱི་
གཤམ་པོ་ལྔ་པའི་ཕྱོགས་སྤྱོད་ཀྱི་ ཡོངས་སྤྱོད་ཀྱི་ ཡོངས་སྤྱོད་ཀྱི་ ཡོངས་སྤྱོད་ཀྱི་ ཡོངས་སྤྱོད་ཀྱི་
བཅུ་ལྔ་པའི་ཕྱོགས་སྤྱོད་ཀྱི་ ཡོངས་སྤྱོད་ཀྱི་ ཡོངས་སྤྱོད་ཀྱི་ ཡོངས་སྤྱོད་ཀྱི་ ཡོངས་སྤྱོད་ཀྱི་
ཡོངས་སྤྱོད་ཀྱི་ ཡོངས་སྤྱོད་ཀྱི་ ཡོངས་སྤྱོད་ཀྱི་ ཡོངས་སྤྱོད་ཀྱི་ ཡོངས་སྤྱོད་ཀྱི་ ཡོངས་སྤྱོད་ཀྱི་
ཡོངས་སྤྱོད་ཀྱི་ ཡོངས་སྤྱོད་ཀྱི་ ཡོངས་སྤྱོད་ཀྱི་ ཡོངས་སྤྱོད་ཀྱི་ ཡོངས་སྤྱོད་ཀྱི་ ཡོངས་སྤྱོད་ཀྱི་

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 कृष्णं श्यामं चतुर्भुजं । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 वदन्तं दम्बधरां । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ध्यात्वा साकल्यं प्रपन्नः । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ལྷོད་ལག་ལྷུ་མ་བཤེར་གཤེག་ལ་མ་ལྷུ་ལ་འཁོར་དང་བཅས་པ་ནི། ཡིན་ལ་ཤེ
གཤེག་ལ་འཁོར་དང་བཤེར་པ། ལྷུ་ལ་ལྷུ་ལ་ལྷུ་ལ་འཁོར་བའི་མ་དེར་སྒྲུ། བཤེག་དང་མ་ཤེ
ལ་ལ་ལྷུ་ལ་ལྷུ་ལ་འཁོར་བའི་མ་དེར་སྒྲུ། ལྷུ་ལ་ལྷུ་ལ་ལྷུ་ལ་འཁོར་བའི་མ་དེར་སྒྲུ།
ལྷོད་ལ་ལྷུ་ལ་ལྷུ་ལ་འཁོར་བའི་མ་དེར་སྒྲུ། ལྷུ་ལ་ལྷུ་ལ་ལྷུ་ལ་འཁོར་བའི་མ་དེར་སྒྲུ།
ལྷོད་ལ་ལྷུ་ལ་ལྷུ་ལ་འཁོར་བའི་མ་དེར་སྒྲུ། ལྷུ་ལ་ལྷུ་ལ་ལྷུ་ལ་འཁོར་བའི་མ་དེར་སྒྲུ།
ལྷོད་ལ་ལྷུ་ལ་ལྷུ་ལ་འཁོར་བའི་མ་དེར་སྒྲུ། ལྷུ་ལ་ལྷུ་ལ་ལྷུ་ལ་འཁོར་བའི་མ་དེར་སྒྲུ།

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

[illegible]

ཕུལ་མོ་དང་། དུས་གསུམ་པ་དེ་དག་གི་གསལ་རྒྱལ་སྐུ་ལ་ལྟུག་འཆ་ལ་ལོ། དེའི་སྐུ་
ལྟུག་གསལ་པའི་ཕུལ་མོ་བརྒྱ། དུས་གསུམ་པ་དེ་དག་གི་གསལ་རྒྱལ་སྐུ་ལ་ལྟུག་འཆ་ལ་
ལོ། དེའི་སྐུ་ལྟུག་གསལ་པའི་ཕུལ་མོ་བརྒྱ། དུས་གསུམ་པ་དེ་དག་གི་གསལ་རྒྱལ་སྐུ་ལ་ལྟུག་
འཆ་ལ་ལོ། ལྟུག་འཆ་ལ་ལོ། ལྟུག་འཆ་ལ་ལོ། དུས་གསུམ་པ་དེ་དག་གི་གསལ་རྒྱལ་སྐུ་ལ་
ལྟུག་འཆ་ལ་ལོ། དུས་གསུམ་པ་དེ་དག་གི་གསལ་རྒྱལ་སྐུ་ལ་ལྟུག་འཆ་ལ་ལོ། དུས་གསུམ་པ་དེ་དག་

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

01

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ཆེན་མཆོད་ཀྱི་སྐུ་ལ་སྐུ་ལྔ་པ་འཕྲུལ་པ། མེད་ཀྱི་སྐུ་ལ་སྐུ་ལྔ་པ་འཕྲུལ་པ།
ཆེན་མཆོད་ཀྱི་སྐུ་ལ་སྐུ་ལྔ་པ་འཕྲུལ་པ། ཆེན་མཆོད་ཀྱི་སྐུ་ལ་སྐུ་ལྔ་པ་འཕྲུལ་པ།
ཆེན་མཆོད་ཀྱི་སྐུ་ལ་སྐུ་ལྔ་པ་འཕྲུལ་པ། ཆེན་མཆོད་ཀྱི་སྐུ་ལ་སྐུ་ལྔ་པ་འཕྲུལ་པ།
ཆེན་མཆོད་ཀྱི་སྐུ་ལ་སྐུ་ལྔ་པ་འཕྲུལ་པ། ཆེན་མཆོད་ཀྱི་སྐུ་ལ་སྐུ་ལྔ་པ་འཕྲུལ་པ།
ཆེན་མཆོད་ཀྱི་སྐུ་ལ་སྐུ་ལྔ་པ་འཕྲུལ་པ། ཆེན་མཆོད་ཀྱི་སྐུ་ལ་སྐུ་ལྔ་པ་འཕྲུལ་པ།
ཆེན་མཆོད་ཀྱི་སྐུ་ལ་སྐུ་ལྔ་པ་འཕྲུལ་པ། ཆེན་མཆོད་ཀྱི་སྐུ་ལ་སྐུ་ལྔ་པ་འཕྲུལ་པ།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सुकृत्यं च यथा ॥
विद्यमानं ॥ सुकृत्यं च यथा ॥ सुकृत्यं च यथा ॥
सुकृत्यं च यथा ॥ सुकृत्यं च यथा ॥ सुकृत्यं च यथा ॥
सुकृत्यं च यथा ॥ सुकृत्यं च यथा ॥ सुकृत्यं च यथा ॥
सुकृत्यं च यथा ॥ सुकृत्यं च यथा ॥ सुकृत्यं च यथा ॥
सुकृत्यं च यथा ॥ सुकृत्यं च यथा ॥ सुकृत्यं च यथा ॥

[illegible]

21
125

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । सुगन्धर्वः श्रीगणेशाय नमः ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । सुगन्धर्वः श्रीगणेशाय नमः ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । सुगन्धर्वः श्रीगणेशाय नमः ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । सुगन्धर्वः श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । सुगन्धर्वः श्रीगणेशाय नमः ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । सुगन्धर्वः श्रीगणेशाय नमः ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । सुगन्धर्वः श्रीगणेशाय नमः ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । सुगन्धर्वः श्रीगणेशाय नमः ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । सुगन्धर्वः श्रीगणेशाय नमः ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । सुगन्धर्वः श्रीगणेशाय नमः ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ཡུལ་དང་པ་ལྟེ་སྤྱོད་ཆེན་པོ་ལ། ཡུལ་འཛམ་པ་སྤྱི་གྲགས་པ་མཆོད་པ་འཁུལ་པ། ཆ་བཤམ་
 ཡུལ་དང་པ་ལྟེ་སྤྱོད་ཆེན་པོ་ལ། ཡུལ་འཛམ་པ་སྤྱི་གྲགས་པ་མཆོད་པ་འཁུལ་པ། རེ་ལྟར་
 བཤམ་པ་སྤྱི་གྲགས་པ་མཆོད་པ་འཁུལ་པ། ཡུལ་འཛམ་པ་སྤྱི་གྲགས་པ་མཆོད་པ་འཁུལ་པ།
 མཆོད་པ་འཁུལ་པ་འཁུལ་པ་འཁུལ་པ་འཁུལ་པ་འཁུལ་པ། རེ་ལྟར་ཡུལ་འཛམ་པ་སྤྱི་གྲགས་པ་མཆོད་པ་འཁུལ་པ།
 ཡུལ་འཛམ་པ་སྤྱི་གྲགས་པ་མཆོད་པ་འཁུལ་པ། རེ་ལྟར་ཡུལ་འཛམ་པ་སྤྱི་གྲགས་པ་མཆོད་པ་འཁུལ་པ།
 ཡུལ་འཛམ་པ་སྤྱི་གྲགས་པ་མཆོད་པ་འཁུལ་པ། རེ་ལྟར་ཡུལ་འཛམ་པ་སྤྱི་གྲགས་པ་མཆོད་པ་འཁུལ་པ།

[illegible]

1115

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । धृतराष्ट्र उवाच ॥ दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रं प्रलयमाप्नुतान्
 पितॄन्मया संनिभो नमस्कृत्यार्जुनः । समासीदधिराजः स वीर्यवान्
 क्षेमकामक्षितिं मनसा चिन्तयन् ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुपासीत
 ब्रह्मविद्यायां श्रीकृष्णमात्मनः ॥ २ ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ ३ ॥ धृतराष्ट्र उवाच ॥ इति
 पराशरायणविरचिते महाभारते द्रुपदोक्तम् ॥ ४ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २० ॥

[illegible]

ཡུལ་གྱི་མཆོད་པ་འབྲུག་པ། གཙུག་པོ་ལ་འཁོར་བའི་ལྷ་མོ་གསལ་པ། ཡུལ་གྱི་མཆོད་པ་འབྲུག་པ།
མཆོད་པ་འབྲུག་པ། ཡུལ་གྱི་མཆོད་པ་འབྲུག་པ། ཡུལ་གྱི་མཆོད་པ་འབྲུག་པ། ཡུལ་གྱི་མཆོད་པ་འབྲུག་པ།
ཡུལ་གྱི་མཆོད་པ་འབྲུག་པ། ཡུལ་གྱི་མཆོད་པ་འབྲུག་པ། ཡུལ་གྱི་མཆོད་པ་འབྲུག་པ། ཡུལ་གྱི་མཆོད་པ་འབྲུག་པ།
ཡུལ་གྱི་མཆོད་པ་འབྲུག་པ། ཡུལ་གྱི་མཆོད་པ་འབྲུག་པ། ཡུལ་གྱི་མཆོད་པ་འབྲུག་པ། ཡུལ་གྱི་མཆོད་པ་འབྲུག་པ།
ཡུལ་གྱི་མཆོད་པ་འབྲུག་པ། ཡུལ་གྱི་མཆོད་པ་འབྲུག་པ། ཡུལ་གྱི་མཆོད་པ་འབྲུག་པ། ཡུལ་གྱི་མཆོད་པ་འབྲུག་པ།
ཡུལ་གྱི་མཆོད་པ་འབྲུག་པ། ཡུལ་གྱི་མཆོད་པ་འབྲུག་པ། ཡུལ་གྱི་མཆོད་པ་འབྲུག་པ། ཡུལ་གྱི་མཆོད་པ་འབྲུག་པ།

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव तस्यैव कुरुक्षेत्रे ।

ཕྱོགས་ལྟར་ཆེན་པོར་མོ་བཀུར་ལ། ཆེན་པོ་རྒྱལ་པོ་ལྟར་ཕྱོགས་ལྟར་ཕྱོགས་ལྟར་
 ཕྱོགས་ལྟར་ཕྱོགས་ལྟར་ཕྱོགས་ལྟར་ཕྱོགས་ལྟར་ཕྱོགས་ལྟར་ཕྱོགས་ལྟར་ཕྱོགས་ལྟར་
 ཕྱོགས་ལྟར་ཕྱོགས་ལྟར་ཕྱོགས་ལྟར་ཕྱོགས་ལྟར་ཕྱོགས་ལྟར་ཕྱོགས་ལྟར་ཕྱོགས་ལྟར་
 ཕྱོགས་ལྟར་ཕྱོགས་ལྟར་ཕྱོགས་ལྟར་ཕྱོགས་ལྟར་ཕྱོགས་ལྟར་ཕྱོགས་ལྟར་ཕྱོགས་ལྟར་
 ཕྱོགས་ལྟར་ཕྱོགས་ལྟར་ཕྱོགས་ལྟར་ཕྱོགས་ལྟར་ཕྱོགས་ལྟར་ཕྱོགས་ལྟར་ཕྱོགས་ལྟར་
 ཕྱོགས་ལྟར་ཕྱོགས་ལྟར་ཕྱོགས་ལྟར་ཕྱོགས་ལྟར་ཕྱོགས་ལྟར་ཕྱོགས་ལྟར་ཕྱོགས་ལྟར་

[illegible]

[illegible]

[illegible]

३३३३॥ धूर्वासापुत्रुवेणसुदससुवसाचद॥ धूर्वासापुत्रुवेणसुदससुवसाचद॥
३३३३॥ धूर्वासापुत्रुवेणसुदससुवसाचद॥ धूर्वासापुत्रुवेणसुदससुवसाचद॥
३३३३॥ धूर्वासापुत्रुवेणसुदससुवसाचद॥ धूर्वासापुत्रुवेणसुदससुवसाचद॥
३३३३॥ धूर्वासापुत्रुवेणसुदससुवसाचद॥ धूर्वासापुत्रुवेणसुदससुवसाचद॥
३३३३॥ धूर्वासापुत्रुवेणसुदससुवसाचद॥ धूर्वासापुत्रुवेणसुदससुवसाचद॥

[illegible]

ཡུལ་འདུག་པའི་དུང་རྒྱུ་ལྟོས་ལ། ལུག་འཛེལ་སྤྱི་གཞི་གསལ་མཆོད་པ་
འབྲུག་ལ། གཟུགས་ལ་ཐམས་ཅད་ལ་སྤྱི་བའི་སྒྲོག་ཅོད་བདུན་མཆོད་པ། དེ་ལྟར་
འབྲུག་ལ་བའི་ལྟོས་ལ། ལུག་འཛེལ་སྤྱི་གཞི་གསལ་མཆོད་པ་འབྲུག་ལ། གཟུགས་
ལ་ཐམས་ཅད་ལ་སྤྱི་བའི་སྒྲོག་ཅོད་བདུན་མཆོད་པ། ལའུ་ལྟོས་ལ། ལུག་
ལྟོས་ལ་སྤྱི་གཞི་གསལ་མཆོད་པ་འབྲུག་ལ། གཟུགས་ལ་ཐམས་ཅད་ལ་སྤྱི་བའི་སྒྲོག་ཅོད་བདུན་མཆོད་པ།

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवा-
 दः ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं ब्रूयान् ॥
 कुरुक्षेत्रे भिक्षुं सोऽपि नृपः ॥ १ ॥ द्रुपद उवाच ॥
 अहो भवानीति त्वं कुरुक्षेत्रे नन्दन ॥
 अहो भवानीति त्वं कुरुक्षेत्रे नन्दन ॥ २ ॥
 अहो भवानीति त्वं कुरुक्षेत्रे नन्दन ॥ ३ ॥
 अहो भवानीति त्वं कुरुक्षेत्रे नन्दन ॥ ४ ॥
 अहो भवानीति त्वं कुरुक्षेत्रे नन्दन ॥ ५ ॥
 अहो भवानीति त्वं कुरुक्षेत्रे नन्दन ॥ ६ ॥
 अहो भवानीति त्वं कुरुक्षेत्रे नन्दन ॥ ७ ॥
 अहो भवानीति त्वं कुरुक्षेत्रे नन्दन ॥ ८ ॥
 अहो भवानीति त्वं कुरुक्षेत्रे नन्दन ॥ ९ ॥
 अहो भवानीति त्वं कुरुक्षेत्रे नन्दन ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

ཤོད་ནས་བསྐྱེད་པ་ཡི། ལྷག་ཤིང་ཉི་ཤུ་འཁོར་བཅས་སྟེ། ལྷག་འཆ་པ་སྟེ།
བཤག་སྟེ་མཆོད་པ་འབྱུང་། འབྱུང་ཆེད་ལོ་གསལ་སྟེ་ཤིང་ཉི་ཤུ་གཏོང་བ་དུ་
བཅོམ་པ། གཤི་མཆོད་སྟེ་ཆུ་ལ་པ་དེ་ཉིད་ཀྱི་ཐོག་ཉིད་ཤིང་པ་ཉི་ཤོད་ནས་བསྐྱེད་པ་
ཡི། ལྷག་ཤིང་ཉི་ཤུ་འཁོར་བཅས་སྟེ། ལྷག་འཆ་པ་སྟེ། བཤག་སྟེ་མཆོད་པ་
འབྱུང་། དམ་ལྷུང་ལྷུང་ཡི་གསལ་སྟེ་ཤིང་ཉི་ཤུ་གཏོང་བ་དུ་བཅོམ་པ། ལྷུང་ཡི་

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ दृष्ट्वा तु पापमण्डलान् ॥
 तत्रैकं पापं कर्तुमिच्छन् ॥ खड्गं धत्ते धीमता ॥ १ ॥
 तत्रैकं पापं कर्तुमिच्छन् ॥ तत्रैकं पापं कर्तुमिच्छन् ॥
 तत्रैकं पापं कर्तुमिच्छन् ॥ तत्रैकं पापं कर्तुमिच्छन् ॥
 तत्रैकं पापं कर्तुमिच्छन् ॥ तत्रैकं पापं कर्तुमिच्छन् ॥
 तत्रैकं पापं कर्तुमिच्छन् ॥ तत्रैकं पापं कर्तुमिच्छन् ॥
 तत्रैकं पापं कर्तुमिच्छन् ॥ तत्रैकं पापं कर्तुमिच्छन् ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

५ दृष्ट्वा च तदा मुद्रां कर्तुं शक्यं कृत्यं च विव । तत्रापि च तदप्युच्यते ॥
॥ तत्रापि च तदप्युच्यते ॥ तत्रापि च तदप्युच्यते ॥ तत्रापि च तदप्युच्यते ॥
॥ तत्रापि च तदप्युच्यते ॥ तत्रापि च तदप्युच्यते ॥ तत्रापि च तदप्युच्यते ॥
॥ तत्रापि च तदप्युच्यते ॥ तत्रापि च तदप्युच्यते ॥ तत्रापि च तदप्युच्यते ॥
॥ तत्रापि च तदप्युच्यते ॥ तत्रापि च तदप्युच्यते ॥ तत्रापि च तदप्युच्यते ॥
॥ तत्रापि च तदप्युच्यते ॥ तत्रापि च तदप्युच्यते ॥ तत्रापि च तदप्युच्यते ॥

[illegible]

八

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमस्तस्मै श्रीकृष्णाय । नमस्तस्मै श्रीराधाय ।
नमस्तस्मै श्रीलोकेश्वराय । नमस्तस्मै श्रीनारायणाय । नमस्तस्मै श्रीहनुमान्
श्रीगुरुभ्यो नमः । श्रीगुरुभ्यो नमः । श्रीगुरुभ्यो नमः । श्रीगुरुभ्यो नमः ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

पुनरप्येव । तुभ्यं विदुः पुनरप्येव कुरुष्व । कुर्वन्तु यदुक्तं मे दत्तं वा ॥
पुनरप्येव तेषां पुनरप्येव । वदन्तु यदुक्तं मे दत्तं वा ॥ वदन्तु
पुनरप्येव तेषां पुनरप्येव । पदुः प्रवृत्तं यत्तु स च वदन्तु यदुक्तं मे दत्तं वा ॥
पुनरप्येव तेषां पुनरप्येव । वदन्तु यदुक्तं मे दत्तं वा ॥ वदन्तु
पुनरप्येव तेषां पुनरप्येव । वदन्तु यदुक्तं मे दत्तं वा ॥ वदन्तु
पुनरप्येव तेषां पुनरप्येव । वदन्तु यदुक्तं मे दत्तं वा ॥ वदन्तु

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जना ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥
 द्रुपदगुरुर्मातरं वन्द्यमानं कुंजस्थितम् ॥ २ ॥ अथ कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवः ॥ ३ ॥ अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ ४ ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ ५ ॥ अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ ६ ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ ७ ॥ अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ ८ ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ ९ ॥ अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ १० ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ ११ ॥ अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ १२ ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ १३ ॥ अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ १४ ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ १५ ॥ अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ १६ ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ १७ ॥ अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ १८ ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ १९ ॥ अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ २० ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ २१ ॥ अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ २२ ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ २३ ॥ अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ २४ ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ २५ ॥ अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ २६ ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ २७ ॥ अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ २८ ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ २९ ॥ अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ ३० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

གོགས་པ་དཔལ་འདྲིའི་གསལ་བྱེད་པ། སྤྱི་པའི་སྐུ་ལ་པམ་མཛོད་པ་རྒྱུ་གཤམ། གཞུགས་པ་
 རྒྱུ་ལ་སྤྱི་ལ་སྤྱི་པ་པམ། ལྟོ་ལ་སྤྱི་པ་སྤྱི་པ་རྒྱུ་གཤམ། སྤྱི་ལ་པམ་མཛོད་པ་རྒྱུ་གཤམ།
 མཛོད་པ། སྤྱི་ལ་སྤྱི་པ་པམ་མཛོད་པ་རྒྱུ་གཤམ། ལྟོ་ལ་པམ་མཛོད་པ་རྒྱུ་གཤམ།
 རྒྱུ་གཤམ། མཛོད་པ་སྤྱི་ལ་སྤྱི་པ་པམ་མཛོད་པ་རྒྱུ་གཤམ། མཛོད་པ་སྤྱི་ལ་སྤྱི་པ་པམ་མཛོད་པ་
 མཛོད་པ་སྤྱི་ལ་སྤྱི་པ་པམ་མཛོད་པ་རྒྱུ་གཤམ། མཛོད་པ་སྤྱི་ལ་སྤྱི་པ་པམ་མཛོད་པ་རྒྱུ་གཤམ།

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written on aged, yellowed paper and is arranged in several lines. The script is dense and difficult to decipher, but appears to be a form of early modern European handwriting. The text is written in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written on aged, yellowed paper and is arranged in several lines. The script is dense and difficult to decipher, but appears to be a form of early modern European handwriting. The text is written in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written on aged, yellowed paper and is arranged in several lines. The script is dense and difficult to decipher, but appears to be a form of early modern European handwriting.

5
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

၁၁။ **၁။** **အိန္ဒြိယ** နိဗ္ဗာန်တော်၌ အိန္ဒြိယတော်၌
 ၁၂။ **အိန္ဒြိယ** နိဗ္ဗာန်တော်၌ အိန္ဒြိယတော်၌
 ၁၃။ **အိန္ဒြိယ** နိဗ္ဗာန်တော်၌ အိန္ဒြိယတော်၌
 ၁၄။ **အိန္ဒြိယ** နိဗ္ဗာန်တော်၌ အိန္ဒြိယတော်၌
 ၁၅။ **အိန္ဒြိယ** နိဗ္ဗာန်တော်၌ အိန္ဒြိယတော်၌
 ၁၆။ **အိန္ဒြိယ** နိဗ္ဗာန်တော်၌ အိန္ဒြိယတော်၌
 ၁၇။ **အိန္ဒြိယ** နိဗ္ဗာန်တော်၌ အိန္ဒြိယတော်၌
 ၁၈။ **အိန္ဒြိယ** နိဗ္ဗာန်တော်၌ အိန္ဒြိယတော်၌
 ၁၉။ **အိန္ဒြိယ** နိဗ္ဗာန်တော်၌ အိန္ဒြိယတော်၌
 ၂၀။ **အိန္ဒြိယ** နိဗ္ဗာန်တော်၌ အိန္ဒြိယတော်၌

၂၀။ ပြာသုဒ္ဓါ **ပုပ္ဖိ** ဩဂါဓာမယံ ခြေမာရိဒေသံ၊ ခုဿနိရုဓိဓာလံ၊ ခြေမာရိ
ဒါမာ၊ ပုပ္ဖမာစွါ ခြေမာယန္တု၊ လှူလုဓိဓာဝါ၊ ဥဿာရိဒေသံ၊ ဓာလံ၊ လာဓာလံ၊ **ယာဂါစွါ**။
ရောဂါဝါ၊ ဝာဓိဓာစွါ၊ ဥဿာရိဒေသံ၊ လှူလုဓိဓာဝါ၊ ပုပ္ဖမာစွါ၊ ခြေမာယန္တု၊ မဓာ၊ လာဓာ
ဒါ။ ခြေမာယန္တု၊ မဓာ၊ လာဓာ၊ လှူလုဓိဓာဝါ၊ **ယာဂါ** ဓာဓာမယံ၊ ခြေမာရိဒေသံ၊ လှူလုဓိဓာ
ဝါ၊ ဝာဓိဓာစွါ၊ မဓာ၊ လာဓာ၊ လှူလုဓိဓာဝါ၊ ခြေမာယန္တု၊ မဓာ၊ လာဓာ၊ လှူလုဓိဓာဝါ၊
ခြေမာယန္တု၊ မဓာ၊ လာဓာ၊ လှူလုဓိဓာဝါ၊ **ယာဂါ** ဓာဓာမယံ၊ ခြေမာရိဒေသံ၊ လှူလုဓိဓာ
ဝါ၊ ဝာဓိဓာစွါ၊ မဓာ၊ လာဓာ၊ လှူလုဓိဓာဝါ၊ ခြေမာယန္တု၊ မဓာ၊ လာဓာ၊ လှူလုဓိဓာဝါ၊

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in a script, likely Indic, at the top of the page.

Handwritten text in a script, likely Indic, with a red mark above the middle section.

Handwritten text in a script, likely Indic, at the bottom of the page.